RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितंबर
12
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

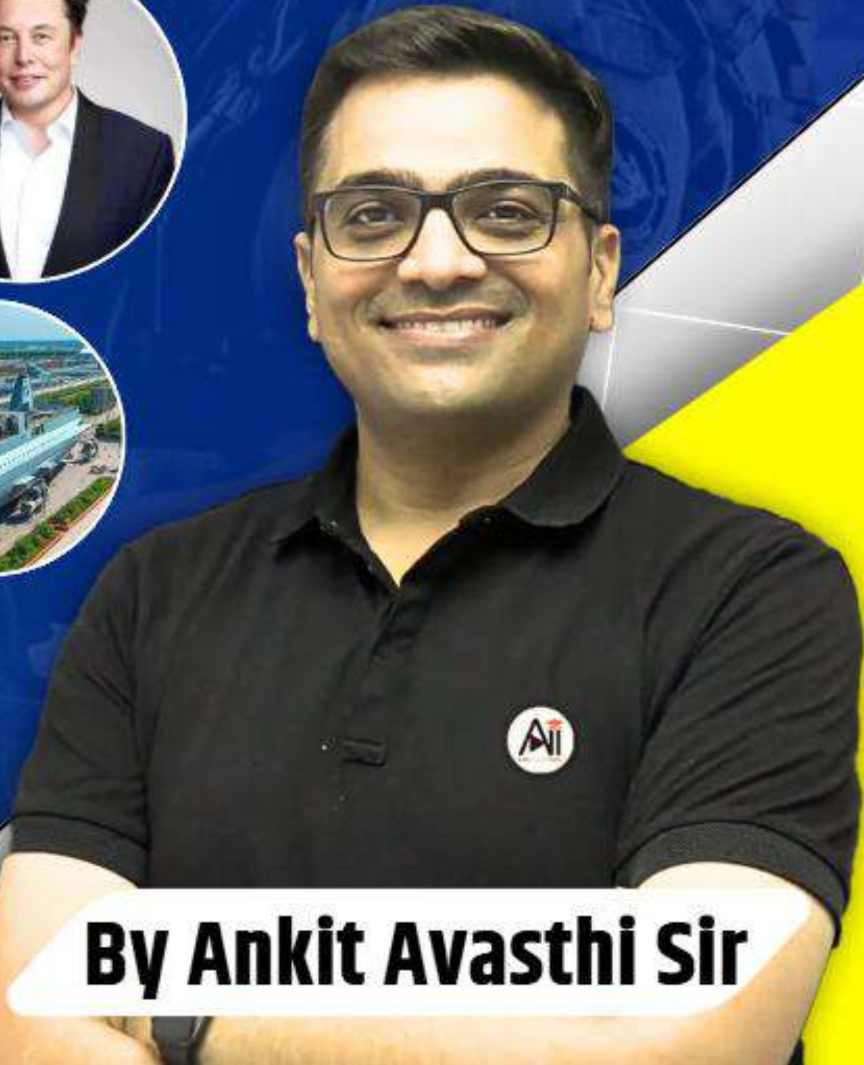

By Ankit Avasthi Sir

हुरुन इंडिया यूनिकॉर्न रिपोर्ट 2025 / Hurun India Unicorn Report 2025

संदर्भ:

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जहां हुरुन इंडिया यूनिकॉर्न रिपोर्ट 2025 के अनुसार 73 यूनिकॉर्न शामिल हैं। इनमें सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न **ज़ेरोधा (8.2 अरब डॉलर), रेज़रपे (7.5 अरब डॉलर) और लेंसकार्ट (7.5 अरब डॉलर)** हैं, जिनके बाद ग्रो, ज़ेप्टो और मीशो जैसे स्टार्टअप्स का नाम आता है।

भारत के टॉप 5 स्टार्टअप्स जिनकी वैल्यूएशन सबसे ज़्यादा है

भारत का **स्टार्टअप इकोसिस्टम** दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ता हुआ माना जाता है।

1. Zerodha

- **स्थापना:** 2010, नितिन कमाथ और निखिल कमाथ
- **मुख्यालय:** बेंगलुरु
- **वैल्यूएशन:** 8.2 बिलियन डॉलर
- भारत का सबसे बड़ा यूनिकॉर्न।

2. Razorpay

- **स्थापना:** 2014, हर्षिल माथुर और शशांक कुमार
- **मुख्यालय:** बेंगलुरु
- **वैल्यूएशन:** 7.5 बिलियन डॉलर
- डिजिटल पेमेंट्स सॉल्यूशन में अग्रणी **फिनटेक कंपनी**।

3. Lenskart

- **स्थापना:** 2010, पियूष बंसल और टीम
- **मुख्यालय:** गुरुग्राम
- **वैल्यूएशन:** 7.5 बिलियन डॉलर
- 17,600+ कर्मचारियों के साथ भारत का सबसे बड़ा यूनिकॉर्न नियोक्ता।

4. Groww

- **स्थापना:** 2016, हर्ष जैन, ईशान बंसल, ललित केशरे, नीरज सिंह
- **मुख्यालय:** बेंगलुरु
- **वैल्यूएशन:** 7 बिलियन डॉलर
- हाल ही में 119% रेवेन्यू ग्रोथ दर्ज की।

5. Zepto

- **स्थापना:** 2021, आदित पालीचा और कैवल्य वोहरा
- **वैल्यूएशन:** 5.9 बिलियन डॉलर
- सिर्फ 2 साल में यूनिकॉर्न बनने वाली क्विक-कॉमर्स कंपनी, 120% रेवेन्यू ग्रोथ।

बेंगलुरु बना भारत का शीर्ष यूनिकॉर्न केंद्र:

- **बेंगलुरु:** 26 यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स के साथ भारत का प्रमुख यूनिकॉर्न हब, कुल वैल्यूएशन **70 अरब डॉलर**।
- **दिल्ली-एनसीआर:** 12 यूनिकॉर्न, कुल वैल्यूएशन **36.3 अरब डॉलर**।
- **मुंबई:** 11 यूनिकॉर्न, कुल वैल्यूएशन **22.8 अरब डॉलर**।

यूनिकॉर्न कंपनी क्या है?

यूनिकॉर्न कंपनी एक ऐसी **निजी स्वामित्व वाली स्टार्टअप** कंपनी होती है जिसका मूल्यांकन **1 अरब डॉलर (≈ ₹8,300 करोड़)** से अधिक हो जाता है।

- यह शब्द **2013 में वेंचर कैपिटलिस्ट ऐलीन ली (Aileen Lee)** ने गढ़ा था।
- यूनिकॉर्न इसलिए कहा जाता है क्योंकि इतनी ऊँची वैल्यूएशन हासिल करना एक **दुर्लभ घटना** माना जाता है, जैसे पौराणिक जीव "यूनिकॉर्न"।

यूनिकॉर्न स्टार्टअप की मुख्य विशेषताएँ

- **विघटनकारी नवाचार:** ऐसा बिज़नेस मॉडल या तकनीक लाना जो उद्योग के काम करने का तरीका बदल दे।
- **'पहली बार' पहल:** ऐसे नए विचार या समाधान पेश करना जो पहले किसी ने न दिए हों।
- **तकनीक आधारित मॉडल:** बिज़नेस संचालन और विस्तार का आधार मुख्य रूप से **डिजिटल टेक्नोलॉजी** होना।
- **उपभोक्ता केंद्रित:** सेवाओं और प्रोडक्ट्स को आसान, सस्ती और रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जोड़ना।
- **निजी स्वामित्व:** अधिकतर यूनिकॉर्न **स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध नहीं होते**, बल्कि निजी निवेशकों के भरोसे ही उनकी वैल्यूएशन अरबों डॉलर तक पहुँचती है।

जलवायु परिवर्तन के कारण अमेरिका में लोग अधिक चीनी खा रहे हैं / Climate change causes people in US to eat more sugar

संदर्भ:

अमेरिका में बढ़ते तापमान का सीधा असर लोगों की खानपान की आदतों पर दिख रहा है। नेचर क्लाइमेट चेंज में प्रकाशित एक नई स्टडी के अनुसार, गर्मी बढ़ने पर खासकर कम आय और कम शिक्षित वर्ग के लोग ज्यादा शुगरी ड्रिंक्स और फ्रोजन डेज़र्ट्स का सेवन करने लगे हैं।

- शोधकर्ताओं ने पाया कि अब से 15 साल पहले की तुलना में हर साल लगभग **100 मिलियन पाउंड (358 मिलियन किलोग्राम) अतिरिक्त चीनी** का उपभोग किया जा रहा है। यह ट्रेंड न सिर्फ मीठे उत्पादों की बिक्री को बढ़ा रहा है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी चिंता का कारण बन रहा है।

गर्मी बढ़ने के साथ बढ़ी अमेरिकियों की चीनी खपत:

- शोधकर्ताओं ने 2004 से 2019 तक घरेलू खाद्य खरीदारी के आंकड़ों का अध्ययन किया और उन्हें तापमान व आर्द्रता जैसे मौसम संबंधी डाटा से जोड़ा। इसका मकसद यह समझना था कि बदलते मौसम का खानपान पर क्या असर पड़ता है।
- नतीजों में पाया गया कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ा, लोगों ने सोडा और जूस जैसे मीठे पेय अधिक मात्रा में खरीदने और पीने शुरू कर दिए।

हर 1.8°F तापमान वृद्धि पर प्रतिदिन 0.7 ग्राम अधिक चीनी की खपत दर्ज:

- अध्ययन में पाया गया की, हर 1.8 डिग्री फारेनहाइट तापमान वृद्धि पर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 0.7 ग्राम अतिरिक्त चीनी की खपत बढ़ गई।
- सबसे तेज़ बढ़ोतरी तब देखी गई जब तापमान **68 से 86 डिग्री फारेनहाइट** के बीच पहुंचा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह रुझान न सिर्फ चीनी की खपत बढ़ा रहा है, बल्कि मोटापा और डायबिटीज़ जैसी बीमारियों के खतरे को भी और गंभीर बना रहा है।

गर्मी में मीठे पेय का सेवन क्यों बढ़ता है?

- **पसीने से पानी की कमी:** गर्म मौसम में शरीर से पसीना अधिक निकलता है, जिससे पानी की कमी हो जाती है। शरीर को ठंडक और तरल पदार्थों की ज़रूरत महसूस होती है।
- **तुरंत ठंडक की चाह:** लोग अक्सर सोडा, जूस, आइसक्रीम और अन्य मीठे ठंडे पेय का सेवन करते हैं क्योंकि ये तुरंत ठंडक का अहसास कराते हैं।
- **सामाजिक और आर्थिक पहलू:** अध्ययन से पता चला है कि **कम आय और कम शिक्षा वाले परिवारों** पर इसका असर ज्यादा पड़ता है। ये परिवार मीठे और सस्ते पेय पदार्थों को पानी या हेल्दी विकल्पों के बजाय प्राथमिकता देते हैं।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ेगी चीनी की खपत

- नई रिसर्च के मुताबिक, अगर ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण पर काबू नहीं पाया गया, तो वर्ष 2095 तक अमेरिकियों की चीनी खपत प्रतिदिन लगभग 3 ग्राम बढ़ सकती है।
- इस बढ़ोतरी का असर सबसे ज़्यादा **कमज़ोर और वंचित वर्गों** पर होगा।

स्वास्थ्य पर खतरा

- विशेषज्ञों ने चेताया है कि अधिक चीनी का सेवन **मोटापा, डायबिटीज़ और हृदय रोग** जैसी गंभीर बीमारियों को बढ़ावा दे सकता है।
- **अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (AHA)** के अनुसार, रोज़ाना कुल कैलोरी में **अतिरिक्त शुगर की मात्रा 6% से ज़्यादा नहीं होनी चाहिए**।
  - पुरुषों के लिए सुरक्षित सीमा: **36 ग्राम प्रतिदिन**
  - महिलाओं के लिए सुरक्षित सीमा: **26 ग्राम प्रतिदिन**

धरती का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा:

धरती का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है और इसका सबसे बड़ा कारण इंसानी गतिविधियों से होने वाला ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले 200 वर्षों में लगभग सभी वैश्विक तापमान वृद्धि के लिए मानवीय गतिविधियाँ ज़िम्मेदार रही हैं।

इसके मुख्य कारण:

- **मानव-निर्मित समस्या:** जलवायु वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्लोबल वार्मिंग का लगभग पूरा कारण मानवीय गतिविधियाँ हैं।
- **रिकॉर्ड गर्मी:** 2014 से 2023 का दशक अब तक का सबसे गर्म 10 सालों का दौर रहा।
- **1.5°C सीमा पार:** वर्ष 2024 पहला ऐसा पूरा साल रहा, जब वैश्विक तापमान प्री-इंडस्ट्रियल स्तर से 1.5°C ऊपर पहुँच गया।
- **तेज़ी से बढ़ता रुझान:** हाल के दशकों में गर्मी बढ़ने की रफ्तार और तेज़ हुई है।
- **ग्रीनहाउस गैसें:** वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों की अधिकता धरती को और गर्म कर रही है।

मस्क फिर से दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए / Musk again became the richest person in the world

संदर्भ:

एलन मस्क ने एक बार फिर **दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति का स्थान** हासिल कर लिया है। बुधवार को कुछ समय के लिए ऑरेकल के सह-संस्थापक लैरी एलिसन उनसे आगे निकल गए थे, लेकिन दिन के अंत तक मस्क पुनः शीर्ष पर पहुंच गए।

- **ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स** के अनुसार, बुधवार रात तक एलन मस्क की कुल संपत्ति 384.2 अरब डॉलर रही, जो लैरी एलिसन से लगभग 1 अरब डॉलर अधिक है। इस प्रकार, एलन मस्क एक बार फिर से दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति बने।

Rank	Name	Total net worth	$ Last change	$ YTD change	Country / Region	Industry
1	Elon Musk	$384B	+$573M	-$48.2B	United States	Technology
2	Larry Ellison	$383B	+$88.5B	+$191B	United States	Technology
3	Mark Zuckerberg	$264B	-$4.68B	+$56.9B	United States	Technology
4	Jeff Bezos	$252B	-$6.91B	+$12.8B	United States	Technology
5	Larry Page	$210B	-$273M	+$41.5B	United States	Technology
6	Sergey Brin	$196B	-$249M	+$38.0B	United States	Technology
7	Steve Ballmer	$172B	+$651M	+$25.6B	United States	Technology
8	Bernard Arnault	$162B	-$717M	-$14.3B	France	Consumer
9	Jensen Huang	$154B	+$5.58B	+$39.9B	United States	Technology
10	Michael Dell	$151B	+$7.78B	+$27.3B	United States	Technology

Bloomberg Billionaires Index

ओरेकल के शेयरों में 43% की ऐतिहासिक छलांग:

- बुधवार को ओरेकल के शेयरों में **1992 के बाद सबसे बड़ी एक दिन की बढ़त** दर्ज की गई।
- दिन के दौरान शेयरों में **43% की वृद्धि**, और यह **36% की बढ़त** के साथ बंद हुआ।

उछाल के कारण:

- कंपनी की **बेहतर आय (Earnings Report)**
- **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)** की बढ़ती मांग से जुड़े **सकारात्मक अनुमान**

असर:

- ओरेकल का **बाजार मूल्य 244 अरब डॉलर** बढ़कर लगभग **922 अरब डॉलर** पर पहुंचा।
- **S&P 500 रैंकिंग** में कंपनी ने उल्लेखनीय छलांग लगाई – **13वें से 10वें स्थान** पर पहुँच गई।

टॉप 10 अरबपतियों में कोई भारतीय नहीं:

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के टॉप 10 में एक भी भारतीय शामिल नहीं है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 97.9 अरब डॉलर (लगभग 8.60 लाख करोड़ रुपए) की नेटवर्थ के साथ 18वें नंबर पर हैं। वहीं, गौतम अडाणी 80.9 अरब डॉलर (करीब 7.07 लाख करोड़ रुपए) की संपत्ति के साथ 21वें नंबर पर हैं।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स क्या है?

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स **ब्लूमबर्ग न्यूज़** द्वारा प्रकाशित दुनिया के 500 सबसे धनी लोगों की दैनिक रैंकिंग है। इसे मार्च 2012 में लॉन्च किया गया था।

यह इंडेक्स दुनिया की सबसे बड़ी व्यक्तिगत संपत्ति को पारदर्शी और भरोसेमंद तरीके से दिखाने के लिए बनाया गया है। इसमें उन अरबपतियों को भी शामिल किया गया है, जिनकी संपत्ति का पहले सही हिसाब नहीं था। यह उनके धन और रिटर्न को ट्रैक और तुलना करता है।

ओरेकल" (Oracle Corp) के बारे में:

- **स्थापना और मुख्यालय:** ओरेकल की स्थापना 1977 में लैरी एलिसन, बॉब माइनर और एड ओट्स ने की थी। शुरु में इसे सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट लैबोरेटरीज कहा जाता था। **मुख्यालय:** रेडवुड सिटी, कैलिफोर्निया, अमेरिका में है।
- **प्रमुख सेवाएं:** ओरेकल डेटाबेस सॉफ्टवेयर, क्लाउड कंप्यूटिंग सर्विसेज और एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर जैसे ERP, CRM और SCM प्रदान करती है।
- **लोकप्रिय डेटाबेस:** ओरेकल डेटाबेस दुनिया के सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले रिलेशनल डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम्स में से एक है।
- **क्लाउड प्लेटफॉर्म:** ओरेकल क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर (OCI) IaaS, PaaS और SaaS सॉल्यूशंस प्रदान करता है, जो AWS और Microsoft Azure का मुकाबला करता है।
- **अधिग्रहण और टेक्नोलॉजी:** ओरेकल ने नेटसूट, पिपल-सॉफ्ट, साइबेल और कैरनर जैसे बड़े अधिग्रहण किए हैं और AI, मशीन लर्निंग व ऑटोनॉमस डेटाबेस जैसी हाईटेक डेवलपमेंट्स पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

भारत 2047 तक शीर्ष पांच जहाज निर्माण देशों में शामिल होगा / India set to be Among Top Five Shipbuilding Nations by 2047

संदर्भ:

भारत सरकार, पोर्ट्स, शिपिंग और वाटरवेज मंत्रालय तथा महानिदेशालय शिपिंग के माध्यम से भारत को शिपबिल्डिंग का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। देश का स्पष्ट लक्ष्य है कि वर्ष **2030 तक शीर्ष 10 समुद्री देशों में और 2047 तक शीर्ष 5** में शामिल हो सके।

शिपबिल्डिंग : एक परिचय:

- **परिभाषा:** शिपबिल्डिंग का मतलब जहाज़ों का **निर्माण, मरम्मत और रखरखाव** है। इनका इस्तेमाल **परिवहन, रक्षा और व्यापार** में किया जाता है।
- **सुविधाएँ:** यह कार्य विशेष स्थानों पर किया जाता है जिन्हें **शिपयार्ड (Shipyards)** कहते हैं। यहाँ बड़े पैमाने पर प्रोजेक्ट और जटिल असेंबली प्रक्रियाएँ पूरी की जाती हैं।

वैश्विक बाज़ार (2023)

- **एशिया-प्रशांत क्षेत्र (Asia-Pacific):** सबसे बड़ा हिस्सा, कुल बाज़ार का **49% यानी 118.12 अरब डॉलर**।
- इसके बाद **पश्चिमी यूरोप, उत्तरी अमेरिका और अन्य क्षेत्र** आते हैं।

भारत की स्थिति

- भारत की हिस्सेदारी केवल **0.06%** है।
- इसके विपरीत **चीन, दक्षिण कोरिया और जापान** मिलकर **85% वैश्विक शिपबिल्डिंग उद्योग** पर नियंत्रण रखते हैं।

भारत का समुद्री क्षेत्र-

- **अर्थव्यवस्था में योगदान:** भारत का समुद्री क्षेत्र वर्तमान में **GDP का 4%** योगदान करता है और वैश्विक टन भार (Global Tonnage) में इसकी हिस्सेदारी केवल **1%** है। लक्ष्य है कि इसे बढ़ाकर **12%** तक पहुँचाया जाए।
- **वैश्विक रैंकिंग का लक्ष्य:** भारत वर्तमान में **16वें स्थान** पर है, लेकिन लक्ष्य है कि **2030 तक शीर्ष 10** और **2047 तक शीर्ष 5** समुद्री देशों में शामिल हो।
- **भारतीय नाविकों की भूमिका:** वर्तमान में भारतीय नाविक (Seafarers) **वैश्विक कार्यबल का 12%** हिस्सा हैं। लक्ष्य है कि इसे बढ़ाकर लगभग **25%** किया जाए। इसके लिए **शिपबिल्डिंग और मरम्मत** को इस परिवर्तन का केंद्र बनाया जा रहा है।
- **व्यापार में अहम योगदान:** भारत का समुद्री क्षेत्र **कुल व्यापार का 95% वॉल्यूम** संभालता है, जो अर्थव्यवस्था में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।
- **कार्गो प्रबंधन:** भारतीय बंदरगाहों पर **कार्गो प्रबंधन FY24 में 4.45% बढ़कर 819.22 मिलियन टन** तक पहुँच गया।

भारत में शिपबिल्डिंग इंडस्ट्री के विकास को अनुकूल बनाने वाले कारक:

1. **रणनीतिक स्थिति:** भारत का लंबा समुद्री तट और प्रमुख शिपिंग रूट्स के नज़दीक होना शिपयार्ड्स के लिए स्वाभाविक लाभ है। इससे परिवहन लागत और जहाज़ों के turnaround time कम होते हैं।
2. **प्रतिस्पर्धी मज़दूरी:** अन्य देशों की तुलना में भारत में मज़दूरी लागत कम है, जो अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के लिए इसे आकर्षक बनाता है।
3. **विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान:** भारतीय शिपयार्ड्स ऑफ़शोर सपोर्ट वेसल्स (offshore support vessels), ड्रेजर्स (dredgers), और फ़ेरी (ferries) जैसे विशेष जहाज़ों के निर्माण पर ध्यान दे रहे हैं।
4. **सरकारी समर्थन:** सरकार ने *Scheme for Financial Assistance to Shipyards in India (SFAS)* जैसी योजनाएँ शुरू की हैं और स्वदेशी क्षमता बढ़ाने पर ज़ोर दिया है।

चुनौतियाँ:

1. **इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी:** कई बंदरगाहों पर आधुनिक सुविधाओं की कमी है, जिससे क्षमता और कार्यकुशलता (efficiency) प्रभावित होती है।
2. **भीड़भाड़:** बड़े बंदरगाहों पर अत्यधिक ट्रैफिक होने से देरी, turnaround time बढ़ना और उत्पादकता में कमी आती है।
3. **पर्यावरणीय चिंताएँ:** जहाज़ों और बंदरगाह संचालन से प्रदूषण और स्थिरता (sustainability) की समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।
4. **लॉजिस्टिक्स की चुनौतियाँ:** बंदरगाहों, सड़कों और रेलवे के बीच कनेक्टिविटी की कमी से कार्गो मूवमेंट प्रभावित होता है।
5. **वैश्विक प्रतिस्पर्धा:** चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे वैश्विक समुद्री केंद्रों से कड़ी प्रतिस्पर्धा है, जिसके चलते लगातार निवेश और आधुनिकीकरण आवश्यक है।

इसरो ने SSLV उत्पादन के लिए HAL के साथ 100वें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समझौते पर हस्ताक्षर किए / ISRO Signed 100th Technology Transfer with HAL for SSLV Production

संदर्भ:

India's space sector ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने अपना **100वां तकनीकी हस्तांतरण समझौता** किया। इस समझौते के तहत हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) अब छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान (SSLV) का स्वतंत्र रूप से निर्माण कर सकेगा।

इसरो का 100वां टेक्नोलॉजी ट्रांसफर: HAL के साथ SSLV उत्पादन समझौता

Small Satellite Launch Vehicle (SSLV) के बारे में

क्या है SSLV: एक 3-स्टेज, किफायती लॉन्च व्हीकल, जिसे छोटे सैटेलाइट्स को लॉन्च करने के लिए बनाया गया है।

- इसमें तीन ठोस प्रणोदन (solid propulsion) वाले स्टेज और अंतिम चरण के रूप में तरल ईंधन आधारित **Velocity Trimming Module (VTM)** होता है।
- इसे **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** ने विकसित किया है।

उद्देश्य:

- बढ़ती वैश्विक *small satellite market* की मांग को पूरा करना।
- कम लागत, तेज़ turnaround और *launch-on-demand* क्षमता प्रदान करना।
- न्यूनतम इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ लॉन्च सुविधा उपलब्ध कराना।

SSLV की विशेषताएँ:

- **आकार:** चौड़ाई लगभग 2 मीटर और ऊँचाई 34 मीटर (लगभग 11-मंज़िला इमारत जितनी)।
- **वज़न (Weight):** लगभग 120 टन (लॉन्च के समय)।
- **पेलोड क्षमता:** 500 किलोग्राम तक के सैटेलाइट को 500 किमी ऑर्बिट तक ले जा सकता है।

इंजन और प्रणोदन (Engines & Propulsion):

1. **पहला चरण (First Stage):** Solid fuel engine
2. **दूसरा चरण (Second Stage):** Solid fuel
3. **तीसरा चरण (Third Stage):** Solid fuel
4. **अंतिम समायोजन (VTM):**
    - छोटे तरल ईंधन इंजन (MMH + MON-3)
    - 16 सूक्ष्म थ्रस्टर्स (प्रत्येक 50 N) – सटीक ऑर्बिट प्लेसमेंट के लिए

SSLV क्या कर सकता है?

- एक साथ एक या एक से अधिक सैटेलाइट्स लॉन्च कर सकता है।
- नैनो (10–100 किग्रा), माइक्रो (100–200 किग्रा), और मिनी (200–500 किग्रा) सैटेलाइट्स के लिए उपयुक्त।
- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को लचीला, तेज़ और कम लागत वाला लॉन्च विकल्प देता है।

HAL के साथ समझौते का महत्व

1. **आत्मनिर्भरता (Atmanirbharta):** HAL स्वतंत्र रूप से SSLV बनाने की क्षमता हासिल करेगा।
2. **औद्योगिक इकोसिस्टम (Industrial Ecosystem):** भारत के निजी क्षेत्र की भूमिका अंतरिक्ष तकनीक में बढ़ेगी।
3. **व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा (Commercial Competitiveness):** भारत को वैश्विक *small-satellite launch market* में मज़बूत स्थान मिलेगा।
4. **टेक्नोलॉजी ट्रांसफर उपलब्धि (Milestone):** ISRO का यह 100वां *technology transfer* है।

इसरो (ISRO) – भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी

स्थापना: 1969

मुख्यालय: बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) भारत की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी है। यह अंतरिक्ष से जुड़े अनेक कार्य करता है जैसे

- अंतरिक्ष अन्वेषण (Space Exploration)
- उपग्रह निर्माण और विकास
- उपग्रह प्रक्षेपण (Launch of Satellites)

इसरो संचार (Communication), रिमोट सेंसिंग (Remote Sensing) और नेविगेशन (Navigation) जैसे क्षेत्रों में कई उपग्रहों का संचालन करता है, जो देश की ज़रूरी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। यह अपनी सफल अंतरग्रहीय (Interplanetary) मिशनों और कम लागत वाली अंतरिक्ष तकनीकों के लिए भी प्रसिद्ध है।

प्रशासन: इसरो, अंतरिक्ष विभाग (Department of Space – DOS) के अंतर्गत काम करता है, जो सीधे भारत के प्रधानमंत्री को रिपोर्ट करता है।

इसरो की प्रमुख विशेषताएँ (Key Aspects of ISRO)

उद्देश्य (Purpose):

- अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अनुसंधान करना।
- भारत के विकास और वैज्ञानिक समझ को आगे बढ़ाना।

मेलियोइडोसिस / Melioidosis

संदर्भ:

आंध्र प्रदेश में मेलियोइडोसिस का पहला पुष्ट मामला सामने आया है। यह मामला तुरकापालेम गांव से जुड़ा है, जहां जुलाई से अब तक 23 रहस्यमय मौतें हो चुकी हैं।

मेलियोइडोसिस (Melioidosis): यह संक्रमण *Burkholderia pseudomallei* नामक बैक्टीरिया से होता है।

संक्रमण:

- यह बैक्टीरिया मिट्टी और पानी में पाया जाता है और कई वर्षों तक जीवित रह सकता है।
- व्यक्ति से व्यक्ति में संक्रमण बहुत ही दुर्लभ है।
- जानवर से इंसान या कीड़े से इंसान में संक्रमण अब तक दर्ज नहीं हुआ है।

संवेदनशीलता:

- सामान्य स्वस्थ व्यक्ति में यह रोग आमतौर पर घातक नहीं होता।
- मधुमेह, किडनी/लीवर की पुरानी बीमारी, शराब की लत या कैंसर वाले मरीजों में यह गंभीर हो सकता है।
- उच्च जोखिम वाले समूह: सैन्य कर्मी, साहसिक यात्री, इको-टूरिस्ट, निर्माण कार्यकर्ता, धान की खेती करने वाले किसान, मछली पालन और वानिकी (Forestry) से जुड़े लोग।

भौगोलिक प्रसार (Geographic Prevalence):

- यह बीमारी मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में पाई जाती है।
- भारत में यह मौजूद है लेकिन अक्सर **निदान (Diagnosis) और रिपोर्टिंग कम होती है**।
- भारत का पहला मामला 1991 में मुंबई में दर्ज किया गया था।

मौसमी प्रभाव: लगभग 75-85% मामले बरसात के मौसम में सामने आते हैं।

लक्षण (Symptoms):

- सामान्य: फ्लू जैसे लक्षण – बुखार, सिरदर्द।
- गंभीर: निमोनिया, लगातार खाँसी, सीने में दर्द, त्वचा पर घाव (Skin sores), या शरीर के अंगों में पस से भरे फोड़े।
- यह बीमारी **टीबी** जैसी लग सकती है, इसलिए अक्सर गलत निदान हो जाता है।

पैलस की बिल्ली / Pallas's Cat

संदर्भ:

अरुणाचल प्रदेश में किए गए एक वन्यजीव सर्वेक्षण में पहली बार दुर्लभ **पैलस की बिल्ली (Pallas's Cat)** के होने का फोटोग्राफिक सबूत मिला है।

पैलस की बिल्ली (Pallas's Cat / Manul)

पैलस की बिल्ली (*Otocolobus manul*) एक छोटी जंगली बिल्ली है।

- इसे दुनिया की सबसे पुरानी जीवित बिल्लियों में से एक माना जाता है, जो लगभग **5.2 मिलियन वर्ष पहले** अन्य प्रजातियों से अलग हुई थी।
- आकार में यह पालतू बिल्ली जैसी दिखती है, लेकिन इसका शरीर अधिक घना और मोटा लगता है क्योंकि इसकी फर बहुत घनी होती है।
- इसका मूल स्थान **मध्य एशिया** है – खासकर मंगोलिया, चीन और रूस के कुछ हिस्से।
- हाल ही में इसे **अरुणाचल प्रदेश** में भी कैमरे में कैद किया गया, जिससे इसका क्षेत्र भूटान और सिक्किम से आगे बढ़कर **पूर्वी हिमालय** तक फैलता है।

आवास (Habitat):

- ऊँचाई वाले घास के मैदान, चट्टानी स्तेपी (Steppes) और ठंडे रेगिस्तानों में रहती है।
- पूर्वी हिमालय में इसे लगभग **5,000 मीटर ऊँचाई** तक दर्ज किया गया है।

विशेषताएँ (Features):

- छोटे पैर, गोल और नीचे की ओर लगे कान।
- बेहद घना फर, जो मौसम के अनुसार बदलता है और छिपने में मदद करता है।

GS FOUNDATION *For*

UPSC & STATE PSC

- इतिहास
- अर्थव्यवस्था
- भूगोल
- भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था

1500x4
~~₹6000/-~~

₹4500/-

- रोज़ाना लाइव क्लासेस
- साप्ताहिक टेस्ट
- क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
- लाइव डाउट सेशन
- रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न

COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
Baaten Bazar Ki
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Baaten Bazar Ki
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

BBK
BaatenBazar ki

EMI AVAILABLE

+ (FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)

FREE

- » Long-Term Investing Foundations
- » Principles of Value Investing and Stock
- » Portfolio Construction Mastery
- » Sectoral Investing
- » Stock Picking Framework
- » Active Portfolio Management Techniques
- » Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR